Need to provide reservation benefits to Maratha Community an include Dhangar Community in the list of Scheduled Tribes

श्री श्रीनिवास दादासाहेब पाटिल **(**सतारा**):** सभापति महोदय, छत्रपती शाहू महाराज ने अपनी रियासत कोल्हापुर में पिछड़ी जातियों के लिए सरकारी नौकरी में देश में सबसे पहले आरक्षण दिया था । महाराष्ट्र में मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए पिछले कई वर्षों से मांग हो रही है । मराठा समाज शिक्षा और नौकरी में पिछड़ रहा है, उसे आरक्षण देने की अत्यंत आवश्यकता है । खेती करने वाला किसान, उसे मराठी में कुणबी कहते हैं । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** पाटिल साहब, आपने कुछ दूसरा विषय दिया है ।

?(व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय पाटिल जी, कृपया मेरी बात सुनिए ।

?(व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आपने जो लिख कर दिया है । कृपया मेरी बात सुनिए ।

?(व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप बहुत वरिष्ठ माननीय सांसद हैं । जो लिख कर दिया हुआ है, उसे आप पढ़ें । आपको विषय परिवर्तन करना है ।

?(व्यवधान)

माननीय सभापति **:** पाटिल साहब, रिकॉर्ड में वही जाएगा, जो आपने लिख कर दिया है । आप इस विषय को शून्य प्रहर में उठा लेते ।

?(व्यवधान)

श्री श्रीनिवास दादासाहेब पाटिल **:** कुणबी मराठा को OBC में आरक्षण मिला है । छत्रपति शिवाजी महाराज के समय का इतिहास देखा जाए तो किसान साल में से छह माह खेती करते थे और छह माह युद्ध पर जाते थे, उन्हें कुणबी कहा जाता था । महाराष्ट्र में मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाकर मराठा समाज को आरक्षण दिया जाये । महाराष्ट्र का धनगर समाज अनुसूचित जनजाति में आरक्षण मिलने के लिए कई वर्षों से मांग कर रहा है । धनगर चरवाहा समाज के लोग हैं । इस समाज के लोग महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पाये जाते हैं । देवनागरी लिपि में मराठी और हिंदी लेखन का

अपना-अपना अलग अंदाज है । मराठी में धनगर लिखते है और हिंदी में धनगड़ लिखते है । लेकिन ये सब एक ही जाति के लोग हैं ।